Re-Accredited 'B++' 2.86 CGPA by NAAC
VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY
University Campus, Udhna-Magdalla Road, SURAT - 395 007, Gujarat, India.
વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટી
યુનિવર્સિટી કેમ્પસ, ઉધના-મગદલ્લા રોડ, સુરત - ૩૯૫ ૦૦૭, ગુજરાત, ભારત.
Tel : +91 - 261 - 2227141 to 2227146, Toll Free : 1800 2333 011, Digital Helpline No.- 0261 2388888
E-mail : info@vnsgu.ac.in, Website : www.vnsgu.ac.in

–: પરિપત્ર :–

વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની સંલગ્ન હિન્દી વિષયના અનુસ્નાતક અભ્યાસક્રમ ચલાવતી તમામ કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓ તથા ડિપાર્ટમેન્ટનાં વડાશ્રીને જણાવવાનું કે, શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૨૩–૨૪ થી અમલમાં આવનાર હિન્દી વિષયના એમ.એ. સેમેસ્ટર ૧ થી ૪ ના (રેગ્યુલર) વિષયના અભ્યાસક્રમ સંદર્ભે હિન્દી વિષયની અભ્યાસ સમિતિની તા.૧૧/૦૫/૨૦૨૩ ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૩ અન્વયે કરેલ ભલામણ સ્વીકારી વિનયન વિદ્યાશાખાની તા.૧૯/૦૬/૨૦૨૩ ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૯ અન્વયે કરેલ ભલામણ એકેડેમિક કાઉન્સિલ તા.૨૩/૦૬/૨૦૨૩ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ૮૦ થી સ્વીકારી મંજૂર કરેલ છે. જે અંગે યુનિવર્સિટી કાર્યાલયના પત્ર ક્રમાંકઃએસ./હિન્દી/સિલેબસ/પરિપત્ર/૧૬૨૧૦/૨૦૨૩, તા.૩૦–૦૬–૨૦૨૩ થી પરિપત્રિત કરવામાં આવેલ, જે અંતર્ગત હિન્દી વિષયની અભ્યાસ સમિતિની તા.૦૬/૦૭/૨૦૨૩ ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૦૪ અન્વયે **એમ.એ. હિન્દી સેમ. ૧ અને સેમ. ૩ નો અભ્યાસક્રમ** યથાવત રાખવા ભલામણ કરેલ છે જે વિનયન વિદ્યાશાખાની તા.૧૪/૦૭/૨૦૨૩ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૪ થી નોંધ લેવામાં આવેલ છે. તથા સેમ.૨ અને સેમ.૪ ના અભ્યાસક્રમમાં જરૂરી ફેરફાર કરવાનું ઠરાવેલ છે. આથી યુનિવર્સિટી કાર્યાલયના તા.૩૦/૬/૨૦૨૩, પત્ર ક્રમાંકઃએસ./હિન્દી/સિલેબસ/પરિપત્ર/૧૬૨૧૦/૨૦૨૩ થી પરિપત્રિત કરવામાં આવેલ હિન્દી સેમ.૧ અને સેમ. ૩ ના અભ્યાસક્રમ નો યથાવત અમલ કરવા તથા સેમ.૨ અને સેમ.૪ નો અભ્યાસક્રમ અભ્યાસ સમિતિ દ્વારા સુધારો કર્યા બાદ સુધારેલ અભ્યાસક્રમ પુનઃ પરિપત્રિત કરવામાં આવશે. જેની આથી જાણ કરવામાં આવે છે.

(બિડાણઃ ઉપર મુજબ)

ક્રમાંક : એસ./હિન્દી/સિલેબસ/પરિપત્ર/૧૭૮૧૧/૨૦૨૩
તા.૦૯–૦૮–૨૦૨૩

કુલસચિવ

પ્રતિ,
૧) વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની સંલગ્ન હિન્દી વિષયની તમામ કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓ.
.....આપશ્રીની કોલેજ/ડિપાર્ટમેન્ટના સંબંધિત શિક્ષકોને જાણ કરી અમલ કરવા સારૂ.
૨) અધ્યક્ષશ્રી, વિનયન વિદ્યાશાખા.
૩)પરીક્ષા નિયામકશ્રી, પરીક્ષા વિભાગ, વીર નર્મદ દ. ગુ. યુનિવર્સિટી, સુરત.
..... જાણ સારૂ.

परिशिष्ट-2

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

एम.ए. हिंदी

सेमेस्टर- I

(2023– 2024, 2024-2025 एवम् 2025-2026 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

ઍકેડેમિક કાઉન્સિલ તા.23/06-2023 બાબત 8.1 બિડાણ/પરિશિષ્ટ 67

प्रश्नपत्र - 1 प्राचीन एवम् मध्यकालीन काव्य Core Course-01

पाठ्य-पुस्तकें : 1. कयमास-वध-चंद बरदाई
2. कबीर-वाणी पीयूष संपा.जयदेव सिंह (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई-1. कयमास-वध-चंद बरदाई

पृथ्वीराज रासो' की प्रामाणिकता, 'पृथ्वीराज रासो' : आदिकालीन प्रमुख रचना, 'कयमास वध' का कथानक, 'कयमास वध' में इतिहास और कल्पना, 'कयमास वध' का भाव एवम् कला पक्ष।

इकाई-2. कबीर-वाणी पीयूष- संपा.जयदेव सिंह

कबीरः जीवन परिचय, कबीर काव्य का सामाजिक और क्रांतिकारी पक्ष,
कबीर का समन्वयवादी दृष्टिकाण, कबीर का रहस्यवाद और प्रेमानुभूति।
कबीर-काव्य के विषय,कबीर-काव्य के सैद्धांतिक और दार्शनिक आधार।
कबीर-काव्य का कलात्मक पक्ष।

इकाई-3. कवि चंद बरदाई का परिचय, पृथ्वीराज चौहाण का चरित्र,चंद बरदाई का स्वप्न-दर्शन।

इकाई-4. निर्गुण भक्ति धारा की विशेषताएँ, कबीर का रहस्यवाद और प्रेमानुभूति
कबीर की उलटबाँसियाँ, कबीर की भाषा।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1.पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3.इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4.इकाई 3 और 4 से एक –एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. पृथ्वीराज रासो-संपा.मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या-श्यामसुंदरदास (नागरी प्रचारिणी सभा)
२. हिंदी साहित्य का आदिकाल-डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी
३. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य-नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
४. हिंदी के प्राचीन कवि-डॉ.द्वारिकाप्रसाद सक्सेना (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
५. हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)
६. कबीर-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
७. कबीर-संपा.विजयेन्द्र स्नातक
८. कबीरः एक नई दृष्टि-डॉ.रघुवंश (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
९. कबीर के आलोचक-डॉ.धर्मवीर (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
१०.कबीरदासः विविध आयाम-संपा. प्रभाकर श्रोत्रिय (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

डॉ.उत्तम पटेल

दि.12/05/2023

प्रश्नपत्र -2. भारतीय काव्यशास्त्र एवम् साहित्यालोचन Core Course-02

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. रस-सिद्धांत -रस का स्वरूप, रस-निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा ।अलंकार –सिद्धांत की मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

इकाई-2. रीति-सिद्धांत- रीति की अवधारणा, काव्य-गुण, रीति एवम् शैली, रीति-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, वक्रोक्ति -सिद्धांत -वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवम् अभिव्यंजनावाद।
व्यावहारिक समीक्षा -किसी काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा।

इकाई-3. ध्वनि -सिद्धांत -ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य, चित्र काव्य।

इकाई-4. औचित्य -काव्य -प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।
हिंदी कवि -आचार्यों का काव्य-शास्त्रीय चिंतन -लक्षण-काव्य-परंपरा एवम् कवि-शिक्षा।

अंक-विभाजन :

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) वहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. रस-सिद्धांत-डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली)
२. रस-सिद्धांत की दार्शनिक और नैतिक व्याख्या-डॉ.तारकनाथ बाली (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
३. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ.नगेन्द्र
४. अभिनव का रस विवेचन-नगीनदास पारेख
५. समीक्षा लोक-भगीरथ दीक्षित
६. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा-डॉ.नगेन्द्र
७. साहित्य काव्य-विमर्श-डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
८. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्य सिद्धांत-डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
९. हिंदी आलोचना का विकास-नंदकिशोर नवल
१०.काव्य के तत्त्व-देवेन्द्रनाथ शर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

****

दि.12/05/2023

डॉ.उत्तम पटेल

प्रश्नपत्र - 3. प्रयोजनमूलक हिंदी – भाग : 1 Core Course-03

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. कामकाजी हिंदी एवम् पत्रकारिता:

रोजगार के क्षेत्र में प्रयोजनमूलक हिंदी की संभावनाएँ।
पारिभाषिक शब्दावली- स्वरूप एवम् महत्व, पारिभाषिक शब्दावली- निर्माण के सिद्धांत।
पत्रकारिता- स्वरूप एवम् विभिन्न प्रकार, सूचना प्रौद्योगिकी का स्वरूप।

इकाई-2. हिंदी कंप्यूटिंग:

कम्प्यूटर- परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र। वेब पब्लिशिंग का परिचय।
इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक, रख-रखाव एवम् इंटरनेट
समय मितव्ययिता के सूत्र,

इकाई-3. हिंदी कंप्यूटिंग :

इंटरनेट एक्सप्लोइट अथवा नेटस्केप , लिंक, ब्राउजिंग, ई-मेल भेजना-प्राप्त करना,
हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग-अपलोडिंग, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेज।

इकाई-4. समाचार-लेखन :

समाचार-अवधारणा,परिभाषा, बुनियादी तत्व, संरचना (घटक), समाचार का मूल्य।
संवाददाता की भूमिका, महत्त्व,श्रेणी, कार्य एवम् व्यवहार-संहिता,रिपोर्टिंग के क्षेत्र और
प्रकार। लीड- अर्थ,प्रकार, विशेषता,महत्त्व। शीर्षक- अर्थ,प्रकार,लिखने की कला, महत्त्व।

अंक-विभाजन-

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 =26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक –एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 =14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. प्रयोजनमूलक हिंदी- कमल कुमार बोस (क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, दिल्ली)
२. हिंदी पत्रकारिता-कृष्ण विहारी मिश्र (भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली)
३. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता-डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
४. राजभाषा प्रशासनिक शब्दकोश-डॉ.एस.त्यागी (भारत भारती, दिल्ली)
५. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन-डॉ.भोलानाथ तिवारी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
६. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजयकुमार मल्होत्रा
७. संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोहन
८. समाचार फीचर लेखन एवम् संपादन कला--डॉ.हरिमोहन
९. पत्रकारिता:विविध विधाएँ-डॉ.राजकुमारी रानी (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
१०. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन
११. आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भाटिया
१२. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ-डॉ.भोलानाथ तिवारी

****

दि.12/05/2023

डॉ.उत्तम पटेल

प्रश्नपत्र - 4. A. आधुनिक हिंदी काव्य Core Course-04

पाठ्य-पुस्तकें :

1. कामायनी-जयशंकर प्रसाद
2. जयद्रथ-वध-मैथिलीशरण गुप्त (साहित्य सदन, चिरगाँव झाँसी)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई- 1. कामायनी-जयशंकर प्रसाद

प्रसाद की काव्य-यात्रा के विभिन्न चरण,'कामायनी' में इतिहास और कल्पना, 'कामायनी' का महाकाव्यत्व, 'कामायनी' - एक रूपक काव्य,'कामायनी' की पात्र-सृष्टि- मनु, श्रद्धा और इड़ा,'कामायनी' में अभिव्यक्त दार्शनिकता, 'कामायनी': भाव पक्ष और कला पक्ष।

इकाई-2. जयद्रथ-वध-मैथिलीशरण गुप्त, '

जयद्रथ-वध'-एक प्रबंध काव्य, 'जयद्रथ-वध' का कथानक, 'जयद्रथ-वध' के प्रमुख पात्र-अर्जुन, श्रीकृष्ण, जयद्रथ,'जयद्रथ-वध' का भाव व कला-पक्ष।

इकाई-3. छायावाद की विशेषताएँ, कामायनी के गौण पात्र, कामायनी का प्रारंभ और अंत,

इकाई -4. द्विवेदीयुगीन काव्य में मैथिलीशरण गुप्त का स्थान, जयद्रथ-वध' के गौण पात्र।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
२. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
३. छायावाद-डॉ.नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
४. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
५. छायावाद का रचनालोक-रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
६. छायावाद के कवि-विजय बहादुर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
७. छायावाद प्रसाद, निराला, महादेवी और पन्त-नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
८. पन्त, प्रसाद और मैथिलीशरण-रामधारी सिंह दिनकर (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
९. कामायनीः एक पुनर्विचार-गजानन माधव मुक्तिबोध (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
१०.कामायनी का पुनर्मूल्यांकन-रामस्वरूप चतुर्वेदी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
११.प्रसाद-काव्य-डॉ.प्रेमशंकर
१२.जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी
१३.मैथिलीशरण-डॉ.प्रभाकर माचवे(राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली)
१४.मैथिलीशरण गुप्त व्यक्ति और अभिव्यक्ति- संपा.डॉ.सी.एल.प्रभात
१५.द्विवेदीयुगीन आख्यान काव्य-वी गंगाधरन (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
१६.कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन-डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

दि.12/05/2023

डॉ.उत्तम पटेल

अथवा

प्रश्नपत्र -4. B. छायावाद Core Course-04

पाठ्य-पुस्तकें: 1. नीरजा-महादेवी वर्मा (लोकभारती प्रकाशन, ईलाहाबाद)
2. राम की शक्तिपूजा-निराला

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र:

इकाई-1. नीरजा-महादेवी वर्मा

नीरजा: पीडा और वेदना में आनंद की अनुभूति का काव्य, नीरजा का कथ्य, नीरजा में गीति तत्त्व, नीरजा की भाषा-शैली, नीरजा का भाव और कला पक्ष |

इकाई-2. राम की शक्तिपूजा-निराला

'राम की शक्ति पूजा' का काव्य-स्वरूप, 'राम की शक्ति पूजा' की पात्र-सृष्टि, 'राम की शक्ति पूजा' में रस-योजना और प्रकृति-चित्रण, 'राम की शक्ति पूजा' का कला-पक्ष, 'राम की शक्ति पूजा' एक कालजयी रचना ।

इकाई-3. छायावाद में प्रसाद का स्थान, छायावाद के प्रवर्तक, छायावाद का ऐतिहासिक महत्व।

इकाई-4. छायावाद की प्रमुख विशेषताएँ, छायावाद के प्रमुख कवि, छायावादी काव्य और निराला।

अंक-विभाजन:

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक –एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. महादेवी: नया मूल्यांकन-डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
२. निराला-संपा. डॉ.विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
३. महादेवी के काव्य में वेदना-प्रभा खरे
४. महादेवी की काव्य-साधना-शिवमंगल सिंह सुमन
५. छायावाद-डॉ.नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
६. निराला-डॉ.रामविलास शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
७. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
८. पन्त, प्रसाद और मैथिलीशरण-रामधारी सिंह 'दिनकर' (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
९. निराला साहित्य में प्रतिरोध के स्वर-विवेक निराला (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
१०. छायावाद के कवि-विजय बहादुर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
११. छायावाद प्रसाद, निराला, महादेवी और पन्त-नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
१२. निराला और मुक्तिबोध: चार लम्बी कविताएं-नन्दकिशोर नवल (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
१३. निराला की साहित्य साधना : खंड-1-3-रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
१४. निराला काव्य की छवियाँ-नन्दकिशोर नवल(राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
१५. महादेवी-दूधनाथ सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)

****

दि.12/05/2023

डॉ.उत्तम पटेल

प्रश्नपत्र – 5. विशिष्ट युग प्रवृति अध्ययन : आदिकाल Core Course-05

पाठ्य-पुस्तकें : 1. बीसलदेव रासो-नरपति नाल्ह संपा.डॉ.माताप्रसाद गुप्त एवम् अगरचंद नाहटा (हिंदी परिषद प्रकाशन,इलाहाबाद)

2. ढोला मारू रा दूहा – कुशल लाभ संपा.रामसिंह, सूर्यकिरण पारीक, नरोत्तम स्वामी (राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई-1. बीसलदेव रासो-नरपति नाल्ह:

कवि नरपति नाल्ह का परिचय , 'बीसलदेव रासो' का काव्य-स्वरूप, बीसलदेव रासोः एक शुद्ध श्रृंगारिक विरह काव्य, 'बीसलदेव रासो' में इतिहास और कल्पना, रासक-रासो काव्य परंपरा में, 'बीसलदेव रासो' का स्थान,"बीसलदेव रासो' का भाव-पक्ष और कला-पक्ष |

इकाई-2. ढोला मारू रा दूहा –कुशल लाभ

'ढोला मारू रा दूहा': एक श्रेष्ठ मुक्त काव्य, 'ढोला मारू रा दूहा' में श्रृंगार-चित्रण, 'ढोला मारू रा दूहा': सौंदर्य-चित्रण, ढोला और मालवणी, 'ढोला मारू रा दूहा': काव्य-सौष्ठव, 'ढोला मारू रा दूहा' में मारवणी का विरह-वर्णन ।

इकाई-3. अपभ्रंशः अर्थ और स्वरूप, साहित्यिक भाषा के रूप में अपभ्रंश का विकास, अपभ्रंश काव्य-प्रबंधात्मक, मुक्तक, नीति, वीर और श्रृंगार काव्य-धाराएँ, अपभ्रंश और हिंदी काव्य का संबंध।

इकाई-4. आदिकाव्य की साहित्यिक प्रवृति-ऐतिहासिक,श्रृंगारिक एवम् लौकिक काव्य। आदिकाव्य की शिल्प-गत विशेषताएँ-कथानक-शैलियाँ एवम् रूढियाँ,गेयता, काव्य-रूप एवम् भाषा।

अंक-विभाजन-

प्रश्न 1.पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल

२. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल

३. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

४. हिंदी साहित्य का आदिकाल-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (वाणी प्रकाशन,इलाहाबाद)

५. हिंदी का गद्य-साहित्य-डॉ. रामचंद्र तिवारी

६. हिंदी गद्य का विकास-डॉ.प्रसाद

७. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह

****

दि.12/05/2023

डॉ.उत्तम पटेल

परिशिष्ट-3

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

एम.ए. हिंदी

सेमेस्टर- 3

(2023-2024, 2024-2025 एवम् 2025-2026 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र -11 भाषा–विज्ञान Core Course-11

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. भाषा और भाषा -विज्ञान –
भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण,भाषा-व्यवस्था और भाषा-व्यवहार, भाषा-संरचना और भाषिक -प्रकार्य. भाषा- विज्ञान-स्वरूप एवम् व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई-2. स्वनप्रक्रिया - स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वागवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण,स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिम विश्लेषण।

इकाई-3. व्याकरण- रूप-प्रकिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद-मुक्त-आबद्ध, अर्थदर्शी और संबंधदर्शी, संबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य, वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य-विश्लेषण, निकटस्थ-अवयव विश्लेषण, गहन-संरचना और बाह्य-संरचना।

इकाई-4. अर्थविज्ञान -अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता,विलोमता, अर्थ-परिवर्तन, साहित्य और भाषा -विज्ञान -साहित्य के अध्ययन में भाषा-विज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5 × 2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. भाषा-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी (किताब महल, इलाहाबाद)
2. भाषा-विज्ञान की भूमिका-देवेन्द्रनाथ शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन)
3. भाषा-विज्ञान-श्यामसुंदर दास (अनु प्रकाशन, जयपुर)
4. सामान्य भाषा-विज्ञान-डॉ.बाबूराम सक्सेना (हिंदी साहित्य सम्मेलन,प्रयाग)
5. भाषा-विज्ञान एवम् भाषा-शास्त्र-डॉ.कपिलदेव द्विवेदी (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)
6. भाषा-विज्ञान-सैद्धांतिक चिंतन- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
7. समसामयिक भाषा- विज्ञान-डॉ.कविता रस्तोगी (सुलभ प्रकाशन, लखनऊ)
8. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का स्वरूप विकास-डॉ.देवेन्द्रप्रसाद सिंह (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

****

दि.12/05/2023

डॉ.उत्तम पटेल

प्रश्नपत्र – 12. हिंदी साहित्य का इतिहास Core Course-12

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई- 1. इतिहास-दर्शन और साहित्येतिहास, हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।
हिंदी साहित्य का इतिहास- काल-विभाजन,सीमा-निर्धारण और नामकरण।

इकाई- 2. हिंदी साहित्य-आदिकाल की पृष्ठभूमि,सिद्ध और नाथ साहित्य,रासो-काव्य,जैन-साहित्य।
हिंदी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्य-धाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

इकाई- 3. भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक-चेतना एवम् भक्ति-आंदोलन, विभिन्न काव्य-धाराएँ तथा उनका वैशिष्ट्य, प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान।
भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य-ग्रंथ,सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवम् लोक-जीवन के तत्व।
राम और कृष्ण-काव्य,राम-कृष्ण-काव्येतर काव्य,भक्तितर काव्य, प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य,भक्तिकालीन गद्य-साहित्य।

इकाई-4. उत्तर मध्यकाल(रीतिकाल)की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल-सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रंथों की परंपरा, रीति कालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ-रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त कीप्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ, रीतिकालीन गद्य साहित्य।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5 × 2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 2 और 3 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 1 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का आदिकाल-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (वाणी प्रकाशन,इलाहाबाद)
2. हिंदी साहित्य का अतीत-भाग-१-२-आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिह
4. हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)
5. हिंदी साहित्य का इतिहास डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली)
6. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.नामवर सिंह (लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद)
7. हिंदी साहित्य-उद्भव और विकास-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
8. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा (लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद)
9. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
10. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय (लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद)
11. हिंदी साहित्य : इतिहास और प्रवृत्तियाँ-डॉ.शिवकुमार शर्मा

दि.12/05/2023

डॉ.उत्तम पटेल

प्रश्नपत्र -13. भारतीय साहित्य Core Course-13

पाठ्य-पुस्तकें :

1.अग्निगर्भ-महाश्वेता देवी (बंगाली उपन्यास) (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)

2.मुलक-दलपत चौहान अनु.डॉ.किरन सिंह (गुजराती उपन्यास) (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई- 1. अग्निगर्भ-महाश्वेता देवी

महाश्वेता देवी का व्यक्तित्व और कृतित्व, 'अग्निगर्भ' की प्रमुख समस्या, 'अग्निगर्भ' उपन्यास की पृष्ठभूमि, बसाई टुडू, काली साँतरा की चारित्रिक विशेषताएँ, 'अग्निगर्भ' उपन्यास में लेखिका के विचारों की प्रासंगिकता

इकाई 2. मुलक-दलपत चौहान

दलपत चौहाण का व्यक्तित्व और कृतित्व 'मुलक' में चित्रित अस्पृश्यता की समस्या, 'मुलक' में चित्रित स्थानान्तरण की समस्या, 'मुलक' में चित्रित वर्ग-संघर्ष, 'मुलक' दलित समाज का दस्तावेजी चित्रण, मुलक के प्रमुख पात्र-भगत, मना की चारित्रिक विशेषताएँ।

इकाई- 3 . भारतीय साहित्य-

भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीयता का समाजशास्त्र।

इकाई-4. भारतीय साहित्य की समस्याएँ-

भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब, हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

अंक -विभाज़नः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5 × 2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. भारतीय साहित्य की भूमिका-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

२. भारतीय साहित्यःस्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ-के.सच्चिदानंद (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

३. भारतीय साहित्यः आशा और आस्था-डॉ.आरसु (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

४. गुजराती नवलकथा-रघुवीर चौधरी एवम् राधेश्याम शर्मा (गुजरात ग्रंथ निर्माण बोर्ड, गांधीनगर)

५. भारतीय साहित्यः तुलनात्मक अध्ययन-सं.डॉ.ब्रजेश्वर वर्मा (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)

६. भारतीय.उपन्यास परंपरा और ग्राम-केन्द्री उपन्यास- भोलाभाई पटेल (पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद)

७. भारतीय साहित्य- डॉ.पाण्डेय-डॉ.अवस्थी (आशीष प्रकाशन, कानपुर)

८. हिंदी और भारतीय भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन-डॉ.रामछबीला त्रिपाठी

९. भारतीय साहित्य-मूलचन्द गौतम (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

१०. भारतीय साहित्य की भूमिका-रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

११. तुलनात्मक साहित्य सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य-हनुमान प्रसाद शुक्ल(राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

१२. 'वी' दलित साहित्य विशेषांक-संपा.अजीत ठाकोर (गुजराती)

१३. प्रत्यायन-भी.न. वणकर

१४. भारतीय साहित्य-डॉ.नगेन्द्र (प्रभात प्रकाशन, दिल्ली)

१५. परमार, मोहन ने बीजाः गुजराती दलित साहित्य-स्वाध्याय अने समीक्षा-युनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बॉर्ड, अमदावाद

दि.12/05/2023

डॉ.उत्तम पटेल

प्रश्नपत्र - 14. A.आधुनिक नाट्य साहित्य Core Course-14

पाठ्य-पुस्तकें : 1. कोणार्क-जगदीशचंद्र (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
2. बकरी-सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई- 1. कोणार्क-जगदीशचंद्र माथुर

कोणार्क' की तात्त्विक समीक्षा,कोणार्क' एक आधुनिक नाटक के रूप में,'कोणार्क' में इतिहास और कल्पना,'कोणार्क' के प्रमुख पात्र।

इकाई- 2. बकरी-सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

'बकरी' की तात्त्विक समीक्षा, 'बकरी' नाटक का प्रतिपाद्य, 'बकरी' नाटक में निहित राजनीतिक व्यंग्य, 'बकरी' स्वार्थी नेताओं द्वारा आम जनता के शोषण की कथा के रूप में

इकाई- 3 . हिंदी नाटक उद्भव और विकास।

'कोणार्क' में रगमंचीयता 'कोणार्क' का उद्देश्य, 'कोणार्क': शीर्षक, 'कोणार्क' की भाषा-शैली।

इकाई- 4. 'बकरी' नाटक में प्रतीकात्मकता, 'बकरी' नाटक का शीर्षक, 'बकरी' नाटक का उद्देश्य, 'बकरी' का नाट्य-शिल्प।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5 × 2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. हिन्दी नाटक रंग शिल्प दर्शन-विकल गौतम(राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
२. मोहन राकेश और उनके नाटक-गिरीश रस्तोगी(राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
३. हिंदी नाटकः उद्भव और विकास-डॉ.दशरथ ओझा
४. नाटककार जगदीशचंद्र माथुर-गोविन्द चातक
५. हिंदी नाटक-बच्चन सिंह
६. नया नाटकः उद्भव और विकास-नरनारायण सिंह

दि.12/05/2023

डॉ.उत्तम पटेल

अथवा

प्रश्नपत्र - 14. B. हिंदी उपन्यास Core Course-14

पाठ्य-पुस्तकें: 1. धरती धन न अपना-जगदीशचंद्र (आधार प्रकाशन प्रा.लि.)

2. छप्पर-जयप्रकाश कर्दम (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 धरती धन न अपना-जगदीशचंद्र

'धरती धन न अपना उपन्यास' में अभिव्यक्त हरिजन समस्या,

'धरती धन न अपना उपन्यास' का कथा-शिल्प,

'धरती धन न अपना उपन्यास' के मुख्य पात्रों का चरित्र चित्रण।

इकाई-2 छप्पर-जयप्रकाश कर्दम

'छप्पर' में अभिव्यक्त दलित-चेतना, 'छप्पर' के प्रमुख पात्र-चंदन, सुक्खा,रमिया, रजनी,

'छप्पर' में चित्रित समस्याएँ।

इकाई-3 दलित साहित्य की विशेषताएँ, 'धरती धन न अपना' की भाषा-शैली, संवाद, उद्देश्य और शीर्षक।

इकाई-4 दलित साहित्य की अवधारणा, 'छप्पर' की भाषा-शैली, संवाद, परिवेश और शीर्षक।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5 × 2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. हिंदी उपन्यास-एक अंतर्यात्रा-डॉ.रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

२. हिंदी उपन्यास-डॉ.सुषमा धवन (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

३. हिंदी उपन्यास की प्रवृतियाँ-डॉ.शशिभूषण सिहल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)

४. हिंदी उपन्यासः उपलब्धियाँ-डॉ.लक्ष्मीसागर वाष्णेय (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)

५. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास-डॉ.इन्द्रनाथ मदान (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

६. हिंदी उपन्यास का इतिहास-गोपाल राय (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

७. उपन्यास की समकालीनता-ज्योतिष जोशी(राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

८. समकालीन हिन्दी उपन्यास: समय से साक्षात्कार-एलाङ्वम विजयलक्ष्मी(राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

९. दलित आंदोलन और बांग्ला साहित्य-कृपाशंकर चौबे(राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

१०. दलित साहित्य का समाजशास्त्र-हरिनारायण ठाकुर(राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

****

डॉ.उत्तम पटेल

दि.12/05/2023

प्रश्नपत्र – 15. लोक-साहित्य एवम् प्रमुख जनजातीय आंदोलन Core Course-15

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र:

इकाई-1 लोक-संस्कृति: अवधारणा, लोक-वार्ता और लोक-संस्कृति, लोक-संस्कृति और साहित्य।

लोक-साहित्य: अवधारणा, संस्कृत वाङ्गमय में लोकोन्मुखता।

वर्तमान अभिजात साहित्य और लोक-साहित्य का अंतःसंबंध।

लोक-साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध।

भारत में लोक-साहित्य के अध्ययन का इतिहास।

लोक-साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवम् संकलन की समस्याएँ।

इकाई-2. लोक-साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरणः लोक-गीत, लोक-नाट्य, लोक-कथा, लोक-गाथा, लोक-नृत्य-नाट्य, लोक-संगीत।

लोक-गीतः संस्कार-गीत, व्रत-गीत, श्रम-गीत, ऋतु-गीत, जाति-गीत।

लोक-नाट्य: रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वाँग, यक्षगान, भवाई संपेडा, विदेसिया, माच, भाँड़, तमाशा, नौटंकी, जात्र, कथकली।

दक्षिणी गुजरात की किसी एक बोली के लोक-साहित्य का अध्ययन।

इकाई-3 लोक-कथाः व्रत-कथा, परी-कथा, नाग-कथा, बोध-कथा, कथानक-रूढ़ियाँअथवा अभिप्राय।

लोक-गाथाः ढोला-मारू, गोपीचंद भरथरी, नल-दमयंती, लैला-मंजनूँ, हीर-राँझा, सोहनी- महीवाल, लोरिक-चंदा, आल्हा-हरदौल।

लोक-संगीतः लोक-वाद्य तथा विशिष्ट धूनें, लोक-भाषाः लोक-सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ।

इकाई-4. प्रमुख जनजातीय आंदोलन-हूल/संथाल आंदोलन, मणिपुर का नागा आंदोलन, उलगुलान (मुण्डा) आंदोलन, मानगढ़ का भील आंदोलन।

अंक-विभाजन-

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5 × 2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4.इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. भारतीय लोक-साहित्य- श्याम परमार (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

२. लोक-साहित्य-डॉ.इन्दु यादव (साहित्य रत्नालय, कानपुर)

३. कुंकणा बोली के लोक गीत-डॉ.उत्तम पटेल (शांति प्रकाशन, अहमदाबाद)

४. भोजपुरी लोक-साहित्य का अध्ययन-डॉ.कृष्णदेव उपाध्याय

५. लोकसाहित्य की भूमिका- डॉ.कृष्णदेव उपाध्याय(साहित्य भवन, इलाहाबाद)

६. लोक-साहित्यःसिद्धांत और प्रयोग-डॉ.श्रीराम शर्मा

७. लोकः परंपरा, पहचान और प्रवाह (राधाकृष्ण प्रकाशन)

८. रामलीलाः परंपरा और शैलियाँ (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)

९. आदिवासी शौर्य एवम् विद्रोह-संपा. रमणिका गुप्ता (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)

१०. आदिवासी विद्रोह-केदारनाथ मीणा (अनुज्ञ बुक्स)

दि.12/05/2023

डॉ.उत्तम पटेल

Re-Accredited 'B++' 2.86 CGPA by NAAC
VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY
University Campus, Udhna-Magdalla Road, SURAT - 395 007, Gujarat, India.
વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટી
યુનિવર્સિટી કેમ્પસ, ઉધના-મગદલ્લા રોડ, સુરત - ૩૯૫ ૦૦૭, ગુજરાત, ભારત.
Tel : +91 - 261 - 2227141 to 2227146, Toll Free : 1800 2333 011, Digital Helpline No.- 0261 2388888
E-mail : info@vnsgu.ac.in, Website : www.vnsgu.ac.in

-: પરિપત્ર :-

વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની સંલગ્ન હિન્દી વિષયના અનુસ્નાતક અભ્યાસક્રમ ચલાવતી તમામ કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓ તથા ડિપાર્ટમેન્ટનાં વડાશ્રીને જણાવવાનું કે, શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૨૩–૨૪ થી અમલમાં આવનાર હિન્દી વિષયના એમ.એ. સેમેસ્ટર ૧ થી ૪ ના (રેગ્યુલર) વિષયના અભ્યાસક્રમ સંદર્ભે હિન્દી વિષયની અભ્યાસ સમિતિની તા.૧૧/૦૫/૨૦૨૩ ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૩ અન્વયે કરેલ ભલામણ સ્વીકારી વિનયન વિદ્યાશાખાની તા.૧૯/૦૬/૨૦૨૩ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૯ અન્વયે કરેલ ભલામણ એકેડેમિક કાઉન્સિલ તા.૨૩/૦૬/૨૦૨૩ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ૮૦ થી સ્વીકારી મંજૂર કરેલ છે.જેનો અમલ કરવા આથી જાણ કરવામાં આવે છે.

હિન્દી વિષયની અભ્યાસ સમિતિની તા.૧૧/૦૫/૨૦૨૩ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૩

:: આથી ઠરાવવામાં આવે છે કે,શૈક્ષણિક વર્ષ–૨૦૨૩–૨૦૨૪ થી અમલમાં આવનાર એમ.એ.સેમેસ્ટર–૧ અને ૨ તથા સેમેસ્ટર–૩ અને ૪ (રેગ્યુલર) નો પરિશિષ્ટ–૨ અને પરિશિષ્ટ–૩ પ્રમાણે તૈયાર કરેલ અભ્યાસક્રમ મંજૂર કરી વિનયન વિદ્યાશાખાને ભલામણ કરવામાં આવે છે.

વિનયન વિદ્યાશાખાની તા.૧૯/૦૬/૨૦૨૩ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૯

:: આથી ઠરાવવામાં આવે છે કે, હિન્દી વિષયની અભ્યાસ સમિતિની તા.૧૧/૦૫/૨૦૨૩ ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ૩ અન્વયે કરેલ ભલામણ સ્વીકારી શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૨૩–૨૦૨૪ થી અમલમાં આવનાર એમ.એ. સેમેસ્ટર–૧ અને ૨ તથા સેમેસ્ટર–૩ અને ૪ (રેગ્યુલર)નો અભ્યાસક્રમ મંજૂર કરવા એકેડેમિક કાઉન્સિલને ભલામણ કરવામાં આવે છે.

એકેડેમિક કાઉન્સિલની તા.૨૩/૦૬/૨૦૨૩ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૮૦

:: **આથી ઠરાવવામાં આવે છે કે, વિનયન વિદ્યાશાખાની તા.૧૯/૦૬/૨૦૨૩ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૯ અન્વયે કરેલ ભલામણ સ્વીકારી મંજૂર કરવામાં આવે છે.**

(બિડાણઃ ઉપર મુજબ)

ક્રમાંક : એસ./હિન્દી/સિલેબસ/પરિપત્ર/૧૬૨૧૦/૨૦૨૩
તા.૩૦–૦૬–૨૦૨૩

કુલસચિવ

પ્રતિ,
૧) વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની સંલગ્ન હિન્દી વિષયની તમામ કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓ.
.....આપશ્રીની કોલેજ/ડિપાર્ટમેન્ટના સંબંધિત શિક્ષકોને જાણ કરી અમલ કરવા સારૂ.
૨) અધ્યક્ષશ્રી, વિનયન વિદ્યાશાખા.
૩)પરીક્ષા નિયામકશ્રી, પરીક્ષા વિભાગ, વીર નર્મદ દ. ગુ. યુનિવર્સિટી, સુરત.
..... જાણ સારૂ.